खाद्य उत्पादन

*३२४. **श्री रामेश्वरानन्द** : क्या **खाद्य तथा कृषि मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कृषि योग्य भूमि पर कल कारखाने खोलने से एवं नहीं बसाने से अन्न के उत्पादन की समस्या और जटिल हो जायेगी;

(ख) यदि हां, तो इसको क्यों नहीं रोका जाता; और

(ग) क्या पर्वतों पर कल कारखाने खोलने से कोई हानि है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री के सभा-सचिव (श्री शिन्दे) : (क) और (ख). सरकार की सामान्य नीति यह है कि जहां तक हो सके कृहि योग्य बढ़िया भूमि को गैर-कृषि कार्यों के लिये अभिग्रहण न किया जाये । जब आवश्यक विकास परियोजनाओं के कारण ऐसी भूमि का अभिग्रहण करदा अनिवार्य हो जाता है तब भूमि अभिग्रहण को यथासंभव सीमित रखने के लिये भरसक प्रयत्न किये जाते हैं । कुल मिला कर खाद्य उत्पादन पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है ।

(ग) सामान्यतया कल-कारखानों का खोला जाना बिजली, पानी, परिवहन, कच्चा माल, उपभोक्ता बाज़ार की समीपता आदि सुविधाओं की उपलब्धि पर निर्भर होता है । फिर भी स्थान चुनने का अन्तिम निर्णय करना मुख्यतया उद्योगपतियों का ही काम है ।

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय इस समय भी देश में इतना अनाज पैदा नहीं होता, जिस से देश का पालन हो सके । अनाज विदेशों से मंगाना पड़ता है और जन-संख्या बढ़ रही है । फिर भी अभी ग़ाज़ियाबाद में पचास साठ गांवों को मास्टर प्लान के लिए लिया जा रहा है । इसी तरह से सारे देश में स्थिति है ।

अध्यक्ष महोदय : अब माननीय सदस्य सवाल करें ।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं अभी सवाल करता हूं । आप सुन लीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : अगर माननीय सदस्य बहुत सारे लैक्चर के बाद सवाल करेंगे तो मैं नहीं सुनूंगा ।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं बहुत छोटा करूंगा ।

जब अन्न-समस्या का अभी भी समाधान नहीं हो रहा है, तो और बड़े बड़े नगर बसाने से समस्या का समाधान कैसे हो जायगा, मैं यह जानना चाहता हूं ।

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री स० का० पाटिल) : सिर्फ ज़मीन से खाद्य समस्या हल नहीं होती है । खाद्य समस्या थोड़ा एकड़ेज़ ज्यादा बढ़ा कर हल नहीं होती है । लेकिन अभी गये दस बरस में जो कुछ बना है, उस सब के होते हुए भी चार करोड़ और ज्यादा ज़मीन खेती के लिए आई है ।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं यह जानना चाहता हूं कि अगर हम कल-कारखानों को पर्वतों पर ले जायें, कम उन्नत प्रदेशों में ले जायें, तो क्या हो जायेगा ?

अध्यक्ष महोदय : नैक्स्ट क्वेस्टियन ।

Export of Sugar to U.S.A

+

*325. Shri Warior:
Shri M. K. Kumaran:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Tridib Kumar Chaudhuri:
Shri Bibhuti Mishra:
Shrimati Maimoona Sultan:
Shri Yashpal Singh:
Shri Mohan Swarup:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether U.S.A. have restored the cut made in their import of Indian sugar this year; and